प्लाज्मा साइंस और टेक्नोलॉजी पर रखे विचार

- शोध को पढाई के पाठ्यक्रम में शामिल करने पर जोर
- यूपीईएस में 38वें नेशनल सिंपोजियम ऑन प्लाज्मा साइंस एंड टेक्नोलॉजी प्लाज्मा का आयोजन

कार्यक्रम में उपस्थित विशेषज्ञ।

■ सहारा न्यूज ब्यूरो

देहरादून।

यूपीईएस ने मल्टीडिसप्लनेरी यूनिवर्सिटी हॉल में प्लाज्मा साइंस सोसाइटी ऑफ इंडिया (पीएसएसआई) के साथ मिलकर 38वें नेशनल सिंपोजियम ऑन प्लाज्मा साइंस एंड टेक्नोलॉजी, प्लाज्मा 2023 का आयोजन किया।

चार दिवसीय कार्यक्रम में विभिन्न विषयों पर चर्चा की गयी, जिसमें वैज्ञानिक, टेक्नोलॉजिस्ट, अकादमिक क्षेत्र के लोगों और शोधार्थियों ने प्लाज्मा साइंस और टेक्नोलॉजी के बारे में विचारों का आदान-प्रदान किया। कार्यशाला की शुरुआत इंस्टीट्यूट ऑफ प्लाज्मा रिसर्च के डायरेक्टर शशांक चतुर्वेदी और कान्फ्रेंस के चेयरमैन के संबोधन के साथ हुई। इस मौके पर आईपीआर के सीनियर प्रोफेसर प्रो.शिविर देशपांडे और पूर्व डायरेक्टर इंटरनेशनल थर्मोन्यूक्लियर एक्सझेरिमेंटल रिएक्टर द्वारा भारतीय फ्यूजन के रोडमैप की तैयारीः साइंस, टेक्नोलॉजी एवं कारोबार के अवसर विषय पर अपना विचार रखे। यूपीईएस विवि के वाइस चांसलर डा.राम शर्मा ने शोध के क्षेत्र में किए जा रहे प्रयासों का उल्लेख किया और शोध को पढ़ाई के पाठ्यक्रम में शामिल करने पर जोर दिया। जेएनयू दिल्ली के पल्लब बोरो और राजा रमन्ना सेंटर फॉर एडवांस्ड टैक्नोलॉजी इंदौर के श्री तीर्थ मंडल को उनके बेहतरीन योगदान के लिए बुटी यंग साइंटिस्ट अवार्ड के साथ दस हजार पुरस्कार वितरित किए। इसके अलावा डा.अमरीन आरा हुसैन साइंटिफिक ऑफिसर-डी, इंस्टीट्यूट फॉर प्लाज्मा रिसर्च गांधीनगर को 50 हजार के नकद पुरस्कार के साथ प्रतिष्ठित परवेज गुजदार अवार्ड से सम्मानित किया।